बिलाड़ा में जावणा ने आई ने मनावना लिरिक्स

बिलाड़ा में जावणा ने,
आई ने मनावना,
केसर तिलक लगावना जी,
अरे जनम जनम रा पाप कियोडा,
बाण गंगा रे माय नावना जी।bd।

रोहित दासजी रो रनीयो बेरो,
लागे गनो सुहावना जी,
सांझ सवेरे होवे आरती,
झालर शंख बजावना जी,
बिलाड़ा मे जावणा ने,
आई ने मनावना,
केसर तिलक लगावना जी।bd।

कल्प वृक्ष री छाया बैठ ने,
आई नाम नित जपना जी,
भाव भक्ति सु देवो परिक्रमा,
मनसा यहाँ फल पावना जी,
बिलाड़ा मे जावणा ने,
आई ने मनावना,
केसर तिलक लगावना जी।bd।

जीजी मात री पाल जायने,
आई नाम नित जपना जी,
जय माँ अम्बा जय जगदम्बा,
रोज रोज मुख गावना जी,
बिलाड़ा मे जावणा ने,
आई ने मनावना,
केसर तिलक लगावना जी।bd।

अरे बाण गंगा रो निर्मल पानी,
जीन मे जाकर नावना जी,
अरे राजा बली री जाय भाकरी,
जाकर शिश निवावना जी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बिलाड़ा मे जावणा ने,
आई ने मनावना,
केसर तिलक लगावना जी।bd।

बिलाड़ा में जावणा ने,
आई ने मनावना,
केसर तिलक लगावना जी,
अरे जनम जनम रा पाप कियोडा,
बाण गंगा रे माय नावना जी।bd।

गायक – शंकर टाक जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com